क्यों भटके दर बदर | By Khagesh Dadsena

खाटू वाला खड़ा हर पहर
फिर क्यूं भटके है तू दरबदर
दुनिया वाले सुने ना सुने
तेरी बाबा ही लेगा खबर
खाटू वाला...2

इतना विश्वास रख बावरे
ऐसा दाता ना संसार में
ये संभालेगा आकर तूझे
कैसे डूबेगा मझधार में
अपने भक्तों की इनको फिकर
तेरी बाबा ही...2

तेरी चौखट पे आते रहे
छोड़ दरबार कैसे रहे
कोई सुनता ना दुखड़े मेरे
हम जाकर के किससे कहें
यूं ही जीवन जाये ना गुजर
तेरी बाबा ही...2

यहां होती है देर मगर
पर अंधेर हैं ना यहां
चाहे आये मुसीबत कोई
छोड़ तुझको मैं जाऊं कहां
सुरेश अब ना तू करना फिकर
तेरी बाबा ही...2

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a5%8b%e0%a4%82-%e0%a4%ad%e0%a4%9f%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a4%b0-%e0%a4%ac%e0%a4%a6%e0%a4%b0-by-khagesh-dadsena/